CBSE Class 07 Hindi

NCERT Solutions

पाठ-19 आश्राम का आनुमानित व्यय

1. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गाँधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार-छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगें?

उत्तर:- गाँधीजी स्वयं स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होने के कारण अपने सानिध्य में आने वाले सभी को स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना चाहते थे।उनके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करने की आदत डालनी चाहिए ताकि अचानक आवश्यकता के समय होने वाली परेशानियों बचा जा सके।

2. गाँधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उनपर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब-किताब के प्रति गाँधी जी की चुस्ती का पता चलता है?

उत्तर:- गाँधीजी हमेशा से हिसाब-किताब में चुस्त थे। अपने विद्यार्थी जीवन में भी गाँधीजी पाई-पाई का हिसाब रखते थे। वे कभी भी फिजूलखर्ची नहीं करते थे, यहाँ तक कि पैसा बचाने के लिए वे कई बार कई किलोमीटर पैदल यात्रा करते थे क्योंकि उनका मानना था कि धन को जरुरी कामों में ही खर्च करना चाहिए। इसी हिसाब-किताब की चुस्ती के कारण वे सारे आंदोलनों को सफलतापूर्वक चला पाएँ।आश्रम के निर्माण के लिए अनुमानित बजट उनकी इस चुस्ती का साक्षात प्रमाण है।

3. मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन-किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोड़ना-हटाना चाहेंगे?

उत्तर:- यदि हमें कोई बाल आश्रम खोलना है तो हमें निम्नलिखित मदों पर खर्च करना होगा -

निर्धारित मदें	खर्च
इमारत	10 लाख
प्रबंधक	15,000 मासिक
सहायक कर्मचारी	35,000मासिक
बालकों के वस्त्र, बिस्तर, पुस्तकें, शिक्षा व्यवस्था आदि।	2 लाख सालाना
खाद्य पदार्थों पर खर्च	25,000 मासिक
अन्य खर्च - बिजली, पानी, रख-रखाव, चिकित्सा आदि।	30,000 मासिक
कुल अनुमानित खर्च	13 लाख 5 हजार

4. आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे-मोटे काम (जैसे - घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे? उन कामों की सूची भी

बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

उत्तर:- 1. फल-सब्जियाँ उगाना - मुझे फल-सब्जियाँ बेहद पसंद होने के कारण उन्हें उगाना पसंद हैं परन्तु शहरी वातावरण में रहने के कारण तथा घर छोटा होने के करण मैं यह कार्य नहीं कर पा रहा हूँ।

2. कपड़े सिलना - मुझे नित्य नए कपडे पहनने का शौक होने के कारण में कपड़े सिलना पसंद करता हूँ परन्तु अनुभव न होने के कारण मैं यह काम नहीं कर पा रहा हूँ।

लेकिन इस बार मैंने निश्चय किया है कि छुट्टियाँ शुरू होते ही दादाजी के पास गाँव जाऊँगा और फल-सब्जियाँ उगाने से संबंधित ज्ञान प्राप्त करूँगा और अपना छोटा बगीचा बनाऊँगा साथ ही इस बार मैं मम्मी के साथ बैंक और पोस्टऑफिस जाऊँगा ताकि आवश्कता पड़ने पर वहाँ के कार्य निपटा सकूँ।

5. इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

उत्तर:- इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्य निम्न हो सकते हैं - स्वावलंबन का पाठ पढ़ाना,स्वच्छता तथा नियमबद्ध तरीके से जीवन-यापन का संदेश देना,

लोगों को आजीविका प्रदान करना, लघु उद्योग को बढ़ावा देना, श्रम को बढ़ावा देना।

आश्रम की कार्यप्रणाली मुख्यतः आत्मनिर्भरता, आपसी सहयोग व सरलता,सादगी तथा दैनिक आवश्यकताओं पर आधारित थी।

• भाषा की बात 6. अनुमानित शब्द अनुमान में इत प्रत्यय जोड़कर बना है। इत प्रत्यय जोड़ने पर अनुमान का न नित में परिवर्तित हो जाता है। नीचे-इत प्रत्यय वाले कुछ और शब्द लिखे हैं। उनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है - प्रमाणित, व्यथित, द्रवित, मुखरित, झंकृत, शिक्षित, मोहित, चर्चित।

उत्तर:-

इत प्रत्ययान्त शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
प्रमाणित	प्रमाण	इत
व्यथित	व्यथा	इत
द्रवित	द्रव	इत
मुखरित	मुखर	इत
झंकृत	झंकार	इत
शिक्षित	शिक्षा	इत
मोहित	मोह	इत
चर्चित	चर्चा	इत

7. इत प्रत्यय की भाँति इक प्रत्यय से भी शब्द बनते हैं और शब्द के पहले अक्षर में भी परिवर्तन हो जाता है, जैसे - सप्ताह + इक =

साप्ताहिक।

नीचे इक प्रत्यय से बनाए गए शब्द दिए गए हैं। इनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए क्या परिवर्तन हो रहा है -

मौखिक, संवैधानिक, प्राथमिक, नैतिक, पौराणिक, दैनिक।

उत्तर:-

इत प्रत्ययान्त शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
मौखिक	मुख	इक
संवैधानिक	संविधान	इक
प्राथमिक	प्रथम	इक
नैतिक,	नीति	इक
पौराणिक	पुराण	इक
दैनिक	दिन	इक

8. बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी शब्द दो शब्दों को जोड़ने से बने हैं। इसमें दूसरा शब्द प्रधान है, यानी शब्द का प्रमुख अर्थ दूसरे शब्द पर टिका है। ऐसे सामासिक शब्दों को तत्पुरुष समास कहते हैं। ऐसे छः शब्द और सोचकर लिखिए और समझिए कि उनमें दूसरा शब्द प्रमुख क्यों है?

उत्तर:-

समस्त पद	विग्रह
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
स्नानघर	स्नान के लिए घर
देशनिकाला	देश से निकाला
गंगातट	गंगा का तट
नीतिनिपुण	नीति में निपुण
पराधीन	पर के आधीन

उपर्युक्त विग्रह को देखने से ज्ञात होता है कि दूसरा शब्द पहले शब्द की सार्थकता को स्पष्ट कर रहा है।